# केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान,सारनाथ वाराणसी

राजभाषा कार्यान्वयन समिति द्वारा आयोजित राजभाषा सप्ताह समारोह- 2021

(दिनांक 14 से 18 सितंबर, 2021)

राजभाषा कार्यान्वयन समिति द्वारा दिनांक 14 से 18 सितंबर, 2021 तक अपराहन 2 बजे से 5 बजे तक संस्थान में राजभाषा सप्ताह समारोह आयोजित किया गया, जिसके अंतर्गत निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किए गये-

सप्ताह समारोह के शुभारम्भ पर गृह मंत्रालय द्वारा प्राप्त प्रमुख विद्वानों एवं राजनेताओं के हिंदी विषयक विचारों को आकर्षक ढंग से दो दिन पूर्व ही संस्थान के सभी प्रमुख भवनों के प्रवेश द्वार पर प्रदर्शित कर दिया गया।

**दिनांक:14.09.2021**

डॉ. आर. के. उपाध्याय माननीय कुलसचिव महोदय की अध्यक्षता में हिन्दी दिवस का उद्घाटन सरस्वती प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। उक्त अवसर पर अध्यक्ष महोदय ने मुख्य अतिथि प्रो. राम मोहन पाठक (पूर्व कुलपति, दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा, चेन्नई) का भोट परंपरा के अनुसार खतक देकर स्वागत किया एवं स्मृति चिह्न प्रदान किया। तदुपरांत अध्यक्ष महोदय ने उपस्थित अधिकारियों/कर्मचारियों को भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा जारी **राजभाषा प्रतिज्ञा** की शपथ दिलायी तथा डॉ. ज्योति सिंह, सहायक प्रोफेसर, हिन्दी ने गृहमंत्री के संदेश का वाचन किया। उक्त अवसर पर मुख्य अतिथि प्रो. राम मोहन पाठक ने **राजभाषा हिन्दी: प्रगति, प्रयास और नई संभावनाएं** विषय पर व्याख्यान देते हुए कहा कि हिंदी स्वाभिमान एवं आत्मगौरव की भाषा है। आने वाला कल हिंदी का होगा। भारत का समग्र विकास तभी संभव है, जब भारतवासी हिंदी में चिंतन और लेखन करेंगे। डॉ. अनुराग त्रिपाठी, सदस्य सचिव, राजभाषा कार्यान्वयन समिति ने संचालन तथा श्री राजेश कुमार मिश्र, प्रलेखन अधिकारी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। विषय प्रवर्तन एवं स्वागत संबोधन प्रो. रामसुधार सिंह, विजिटिंग प्रोफेसर ने किया।

**दिनांक:15.09.2021**

दिनांक 15 सितम्बर, 2021 को राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक संस्थान के कुलसचिव डॉ. आर. के. उपाध्याय की अध्यक्षता में कुलसचिव कार्यालय के समिति कक्ष में आयोजित की गयी। बैठक में राजभाषा तिमाही रपट, वार्षिक कार्यक्रम 2021-2022 एवं राजभाषा संसदीय समिति के विभिन्न मदों पर पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन श्री भगवान पाण्डेय, राजभाषा परामर्शी द्वारा प्रस्तुत किया गया तथा सदस्यों एवं अध्यक्ष महोदय द्वारा चर्चा की गयी। उक्त अवसर पर सदस्यों ने राजभाषा के प्रगामी प्रयोग के संबंध में अपने विचार रखे। अध्यक्षीय संबोधन के साथ बैठक का समापन हुआ। बैठक में डॉ. रामसुधार सिंह, डॉ. रमेश चन्द्र नेगी, श्री टी. आर. शाशनी, डॉ. सुशील कुमार सिंह तथा डॉ. अनुराग त्रिपाठी आदि उपस्थित रहे।

**दिनांक:16.09.2021**

दिनांक 16 सितम्बर, 2021 को राजभाषा कार्यशाला का आयोजन किया गया। उक्त कार्यशाला में श्री आर. के. गुप्त (वरिष्ठ कार्मिक अधिकारी, बनारस रेल इंजन कारखाना, वाराणसी) ने **"पत्र, परिपत्र एवं अर्ध सरकारी पत्र"** विषय पर एवं श्री विनय कुमार सिंह (मुख्य प्रबंधक/राजभाषा, भारतीय स्टेट बैंक, वाराणसी) ने **"सूचना, अधिसूचना, कार्यालय ज्ञापन"** विषय पर विशेषज्ञता पूर्ण व्याख्यान तथा प्रतिभागियों के प्रश्नों के संतोषप्रद उत्तर दिए। कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए संस्थान के कुलसचिव डॉ. आर. के. उपाध्याय ने कहा कि संविधान द्वारा राजभाषा सम्बन्धी दिए गए दायित्वों का निर्वहन करते हुए हम सभी सरल हिंदी का अधिकतम प्रयोग सुनिश्चित करेंगे। इससे राष्ट्र के विकास की गति तेज होगी और प्रशासन में पारदर्शिता आएगी। सहा. कुलसचिव श्री प्रमोद सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त किए। डॉ. सुशील कुमार सिंह, सदस्य, राजभाषा कार्यान्वयन समिति ने कार्यक्रम का संचालन तथा श्री राजेश कुमार मिश्र, प्रलेखन अधिकारी ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

**दिनांक:17.09.2021**

दिनांक 17 सितम्बर, 2021 को प्रथम सत्र में वाद-विवाद प्रतियोगिता **(विषय -राजभाषा की स्थिति पूर्णतः संतोषप्रद है/नहीं है) (पक्ष-विपक्ष)** का आयोजन किया गया, जिसके निर्णायक डॉ. रामसुधार सिंह (विजिटिंग प्रोफेसर, केंद्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी) एवं डॉ. उदय प्रकाश (सह आचार्य, श्री बलदेव पी. जी. कालेज, बड़ागाँव, वाराणसी) थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. हिमांशु पाण्डेय, उप कुलसचिव ने की।

द्वितीय सत्र में मौखिक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें संस्थान के राजभाषा परामर्शी श्री भगवान पाण्डेय ने राजभाषा, संस्थान एवं साहित्य से संबंधित प्रश्न पूछे। उक्त प्रतियोगिता में संस्थान के कार्मिकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम के अध्यक्ष एवं मुख्य निर्णायक श्री राजेश कुमार मिश्र, प्रलेखन अधिकारी, संचालन डॉ. ज्योति सिंह सहायक प्रोफेसर, हिन्दी एवं धन्यवाद ज्ञापन श्री प्रमोद सिंह, सहायक कुलसचिव ने किया। उक्त अवसर पर श्री राजेश कुमार मिश्र ने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि राजभाषा सप्ताह समारोह के अंतर्गत आयोजित यह प्रतियोगिताऐं प्रतिभागियों को प्रोत्साहन प्रदान करने वाली तथा सभी उपस्थित कर्मचारियों के लिए प्रेरणाप्रद है। प्रेरणा और प्रोत्साहन ही राजभाषा के विकास का मूल सूत्र है। डॉ. राम सुधार सिंह, डॉ. रामजी सिंह आदि ने आशीर्वचन के रूप में अपने विचार व्यक्त किया।

**दिनांक:18.09.2021**

दिनांक 18 सितम्बर, 2021 को राजभाषा सप्ताह समारोह के समापन सत्र में सर्वप्रथम अध्यक्ष, मुख्य अतिथि एवं अधिकारियों द्वारा सरस्वती प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर दीप प्रज्ज्वलन किया गया। तदुपरान्त अध्यक्ष, मुख्य अतिथि तथा गणमान्य व्यक्तियों का खतक देकर स्वागत किया गया तथा अध्यक्ष महोदय ने मुख्य अतिथि को स्मृति चिह्न प्रदान किया। **राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की भाषा नीति** विषय पर मुख्य अतिथि के रूप में हिंदी साहित्य के मूर्धन्य कवि और ओ. एन. जी. सी., देहरादून के पूर्व राजभाषा अधिकारी डॉ. बुद्धिनाथ मिश्र ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि राजभाषा की सबसे बड़ी विशेषता होती है, अर्थ की स्पष्टता। इसीलिए कार्यालय की भाषा और साहित्य कि भाषा में अंतर होता है। उन्होंने कहा कि कार्यालय की भाषा सरल ,स्पष्ट और वैज्ञानिक होनी चाहिए। एक राजभाषा अधिकारी के रूप में राजभाषा को लेकर जो - जो समस्याएं आती हैं उस पर उन्होंने अपने अनुभव साझा किए। डॉ. मिश्र ने कहा कि हर देश की पहचान अपनी भाषा की विशिष्टता के कारण ही होती है। इसलिए हर जिम्मेदार व्यक्ति और कर्मचारी को भाषा के प्रति समर्पित होने की जरुरत है। प्रस्तुत कार्यक्रम में उन्होंने अपनी प्रसिद्ध कविता- **एक बार और जाल फेंक रे मछेरे, जाने किस मछली में बंधन की चाह हो** का वाचन किया। समापन समारोह की अध्यक्षता करते हुए संस्थान के कुलसचिव डॉ. आर. के. उपाध्याय ने गाँधी के उदाहरण से राजभाषा के महत्त्व को बताया। गाँधी जी कहा करते थे कि **'अंग्रेजों से कह दो कि गाँधी अंग्रेजी नहीं जानता है'**। प्रस्तुत उदाहरण को स्पष्ट करते हुए उन्होंने कहा कि जिस दिन हर नागरिक में भाषा के प्रति इस प्रकार का आदर भाव आ जायेगा, फिर हिंदी स्वतः राष्ट्रभाषा बन जाएगी। उन्होंने कार्यालय के कर्मचारियों तथा अधिकारियों को अधिक से अधिक कार्य हिंदी में करने के लिए प्रोत्साहित किया । कार्यक्रम की अंतिम कड़ी में विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अनुराग त्रिपाठी, सदस्य सचिव रा.का.स., स्वागत संबोधन डॉ. सुशील कुमार सिंह, सदस्य, रा.का.स. तथा डॉ. ज्योति सिंह, सहायक प्रोफेसर, हिन्दी ने धन्यवाद ज्ञापित किया।